

Scope of Liberal Education

उदार शिक्षा के क्षेत्र

उदार शिक्षा का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है, इसके अन्तर्गत मुख्यतः व्यक्ति के निम्नलिखित विकास आते हैं -

- ① शारीरिक विकास (Physical Development)
- ② मानसिक एवं बौद्धिक विकास (Mental Development)
- ③ नैतिक एवं चारित्रिक विकास (Ethical and Character development)
- ④ सांस्कृतिक विकास (Cultural Development)
- ⑤ सामाजिक विकास (Social Development)
- ⑥ आध्यात्मिक विकास (Spiritual Development)
- ⑦ लोकतांत्रिक नागरिकता का विकास (Development of Democratic Citizenship)
- ⑧ मानवीय मूल्यों का विकास (Development of Human Values)
- ⑨ नेतृत्व के गुणों का विकास (Development of Qualities of Leadership)
- ⑩ अन्तर्राष्ट्रीय सहभावना और विश्वव्युत्सव की भावना का विकास (Development of International Understanding and Brotherhood)

उदार शिक्षा का महत्व

Importance of Liberal Education

1. व्यक्तित्व का विकास (Development of Personality)

उदार शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व के विकास में सहायक होती है। व्यक्तित्व के सभी पहलु - शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, नैतिक, सांस्कृतिक आदि को विकसित करने में उदार शिक्षा की महती भूमिका है। यह शारीरिक विकास को व्यक्ति की पहली आवश्यकता है, क्योंकि व्यक्ति के सभी कार्य शरीर के द्वारा ही होती हैं। सामाजिक विकास के द्वारा ही व्यक्ति समाज का सभ्य, शिष्ट, उदार और उपयोगी सदस्य बनता है। इस प्रकार उदार शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व के सभी पहलुओं का विकास करके उसे पूर्ण मानव बनाती है।

2. समायोजन में सहायक (Help in Adjustment)

सफल जीवन के लिए यह परम आवश्यक है कि व्यक्ति का अपने वातावरण के साथ समायोजन हो। उदार शिक्षा व्यक्ति के अन्दर ऐसी क्षमता और योग्यता पैदा करती है जिससे वह अपना समायोजन करने में सक्षम होता है।

3. मानव समाज का ज्ञान (To Understand human Society)

उदार शिक्षा के लिए यह अति मानव समाज को जानने में समझने में व्यक्ति की सहायता करती है। समाज और व्यक्ति का घनिष्ठ संबंध है। समाज के बिना व्यक्ति का और व्यक्ति के बिना समाज का कोई अस्तित्व नहीं है। व्यक्ति का विकास समाज के विकास पर निर्भर है। अतः समाज को उसकी प्रकृति को, उसकी संरचना को तथा उसमें होने वाले परिवर्तनों को उसकी समस्याओं को समझना अति आवश्यक है तभी वह समाज में अपना सामंजस्य बना पाएगा।

4. संस्कृति का विकास (Development of culture)

उदार शिक्षा संस्कृति के विकास में बहुत सहायक है, वस्तुतः संस्कृति की सहायता से ही व्यक्ति अपना विकास करता है। व्यक्ति के आस-पास का भौतिक वातावरण उस पर प्रभाव डालता है, इस वातावरण में अपने को व्यवस्थित करने में व्यक्ति को संस्कृति से मिलती है। अतः संस्कृति और सभ्यता में संतुलन एवं सामंजस्य स्थापित करने के लिए उदार शिक्षा की बहुत अधिक आवश्यकता है।

Notes

5. मन की स्वतंत्रता (Freedom of Mind)

उदार शिवा मन को प्रशिक्षित करती है और उसे नियंत्रण में रखती है। यह मन को स्वतंत्र करती है तथा स्वतंत्र रूप से सोचने, विचारने और अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता की ओर संकेत करती है। यह व्यक्ति के दृष्टिकोण को व्यापक और विशाल बनाती है।

6. प्रेरणादायक (Motivational) :- उदार शिवा

प्रेरणादायक होती है, जिसका एक उदाहरण स्वामी विवेकानन्द का यह संदेश है। स्वामी जी युवकों को अमृत संदेश देते हुए कहते हैं, अपने पैरों पर आप खड़े हो जाओ, देर न करो, क्योंकि जीवन छग मंगुर है। जीवन की अवधि अल्प है, पर आत्मा अमर, अजर अनन्त है और मृत्यु अनिवार्य है, इसलिए मनुष्य को केवल मनुष्य की आवश्यकता है और सब कुछ हो जाएगा किन्तु आवश्यकता तैयार ही और पूर्ण प्रमाणिक नवयुवकों को पुनर्जीवित कर सकेंगे।